



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 13 जुलाई, 2023

कृषि अवसंरचना के वित्तीयन को बढ़ावा देने को BHARAT अभियान शुरू

हाल ही में कृषि मंत्रालय ने बैंकों से [कृषि अवसंरचना कोष](#) (Agriculture Infrastructure Fund- AIF) को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने का आह्वान किया है, यह कृषि क्षेत्र में फसल-कटाई के बाद के बुनियादी ढाँचे और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों को विकसित करने के उद्देश्य के लिए एक वित्तपोषण संबंधी सुविधा है। वर्ष 2025-26 तक 1 लाख करोड़ रुपए के लक्ष्य संवितरण के साथ AIF द्वारा वर्ष 2032-33 तक ब्याज में कमी लाने सहित क्रेडिट गारंटी सहायता प्रदान की जाएगी। धन के प्रवाह में तेजी लाने के लिए मंत्रालय ने BHARAT (बैंक हेराल्डिंग एक्सेलेरेटेड रूरल एंड एग्रीकल्चर ट्रांसफॉर्मेशन) अभियान की शुरुआत की है जिसमें बैंकों से एग्री इंफ्रा फंड के प्रचार में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया गया है एक महीने तक चलने वाले इस इस अभियान के दौरान बैंकों को 7,200 करोड़ रुपए का लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। इसके लिये वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, लघु वित्त बैंकों, एनबीएफसी और चुनदा सहकारी बैंकों के 100 से अधिक बैंकिंग अधिकारियों की भागीदारी एवं समर्थन की मांग की गई है।

भारत और EFTA के बीच TEPA वार्ता में तेजी

हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा वस्त्र मंत्री ने लंदन में [यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ](#) (European Free Trade Association- EFTA) के प्रतिनिधिमंडल के साथ एक सफल बैठक संपन्न की। चर्चा भारत और EFTA के बीच [व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता](#) (Trade and Economic Partnership Agreement- TEPA) वार्ता को आगे बढ़ाने पर केंद्रित थी। इन वार्ताओं का प्राथमिक उद्देश्य एक नष्टकृष, पारस्परिक रूप से लाभकारी और भारत तथा EFTA के बीच व्यापक व्यापार समझौता है। EFTA एक अंतर-सरकारी संगठन है जिसने वर्ष 1960 में उन यूरोपीय राज्यों के लिये एक वैकल्पिक व्यापार बलॉक के रूप में स्थापति किया गया था जो [यूरोपीय संघ](#) (EU) में शामिल होने में असमर्थ या अनिच्छुक थे। EFTA भारत का 9वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, जिसका 2020-21 में भारत के कुल व्यापारिक व्यापार का लगभग 2.5% हिस्सा है। TEPA का उद्देश्य उत्पादों की एक वस्तुतः शृंखला पर टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को खत्म/कम करके भारत तथा EFTA के बीच व्यापार और निवेश के अवसर उत्पन्न करना है।

और पढ़ें... [भारत और EFTA, भारत और EFTA राज्य](#)

GACL द्वारा हाइड्राज़नि हाइड्रेट और शुद्ध फॉस्फोरिक एसडि का घरेलू उत्पादन शुरू

[आत्मनिर्भर भारत](#) मिशन के अंतर्गत आत्मनिर्भरता हासिल करने की दृष्टि में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रमुख क्लोर-कषार उत्पादक, गुजरात अलकलीज़ एंड केमिकल्स लिमिटेड (GACL) ने हाइड्राज़नि हाइड्रेट की शपिमेंट शुरू कर दी है। इसके अलावा GACL ने 33,870 MTA की क्षमता वाला संयंत्र स्थापति करके भारत में शुद्ध फॉस्फोरिक एसडि निर्माताओं की कमी को भी संबोधित किया है। हाइड्राज़नि हाइड्रेट एक रासायनिक योगिक है जिसका सूत्र $N_2H_4 \cdot H_2O$ है। इसका उपयोग मुख्य रूप से विभिन्न रासायनिक प्रतिक्रियाओं, जैसे- फार्मास्यूटिकल्स और कृषि रासायनों के संश्लेषण को कम करने वाले एजेंट के रूप में किया जाता है।

और पढ़ें... [आत्मनिर्भर भारत मिशन](#)

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय ने पोषक तत्वों से भरपूर गेहूँ की कस्मि विकसित की

एक अभूतपूर्व प्रयोग के साथ पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (PAU) द्वारा PBW RS1 नामक गेहूँ की एक नई कस्मि सफलतापूर्वक विकसित की गई है, जिसमें उच्च स्तर का एमाइलो ज स्टाच होता है जो टाइप-2 [मधुमेह](#) के साथ हृदय रोग संबंधी खतरे को कम करने के लिये जाना जाता है। PBW RS1 में कुल स्टाच सामग्री (66-70%) अन्य गेहूँ कस्मियों के समान है, लेकिन इसमें अन्य कस्मियों में पाए जाने वाले 7.5-10% की तुलना में उल्लेखनीय 30.3% प्रतिशेदी स्टाच सामग्री है। यह कस्मि न केवल पोषण संबंधी लाभ प्रदान करती है, बल्कि पीले रतुआ के प्रति पूर्ण प्रतिशेदी तथा भूरे रतुआ कवक रोगों के प्रति मध्यम प्रतिशेदी भी प्रदर्शित करती है। अपने पोषण संबंधी लाभों के बावजूद PBW RS1 पंजाब में अन्य गेहूँ कस्मियों की तुलना में कम औसत अनाज उपज के कारण खेती के मामले में एक चुनौती प्रस्तुत करता है।

और पढ़ें... [खाद्य सुरक्षा, पोषण सुरक्षा, मधुमेह](#)

